ॐ

॥ भव शङ्कर देशिक मे शरणम् ॥

शाङ्करभाष्यपारायणाञ्जलिः श्री बदरीनाथ

प्रवचन- १६-०९-२०१० से २७-०९-२०१० तक

समय- सायं ६ बजे से रात ८ बजे तक (विशेष परिस्थिति में समय परिवर्तन अनिवार्य)

दिनांक	वक्ता	व्याख्यान विषय
१६-०९-२०१०	१. आ. श्रीमत्स्वामी मेधानन्द पुरि जी महाराज (कैलास आश्रम, ऋषिकेश) २. आ. श्री उमेश्वर देव जी महाराज (कैलास आश्रम, ऋषिकेश)	विद्यां चाविद्यां च .... (ई. श्लो. ११) अन्यदेव तद्विदितादथो.... (केन] श्लो. १/४)
१७-०९-२०१०	१. श्रीमत्स्वामी प्रेमानन्द जी महाराज (शिवानन्द आश्रम, गणेशपुर, उत्तरकाशी) २. ब्र. श्री वेंकटेश अवधानी (मत्तूरु, षिमोगा, कर्नाटक) ३. आ. श्रीमत्स्वामी विष्णु तीर्थ जी महाराज (आचार्य कुटी, गंगोरी, उत्तरकाशी)	आशीर्वचन प्रश्नोपनिषत्-षष्ठ प्रश्न नान्तः प्रज्ञं न बहिः प्रज्ञं .... (माण्डू. मं. ७) अयमात्मा ब्रह्म....(माण्डू. मं. २)
१८-०९-२०१०	१. आ. श्रीमत्स्वामी विशुद्धानन्द जी महाराज (सुन्दरनगर, हिमाचलप्रदेश) २. ब्र. रामकृष्णन् जी (कालीकमली कुटिया, ऋषिकेश)	सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म .... (तैत्ति. २/१) तत्सृष्ट्वा तदेवानुप्राविशत् (तैति. २/६)
१९-०९-२०१०	१. श्रीमत्स्वामी महादेवानन्द जी महाराज (शिवानन्द आश्रम,तिरुवनन्तपुरम् केरल) २. श्री गौड़ वेंकटेश्वर शास्त्री जी (चेन्नै, तमिल्नाडु) ३. आ. श्री मणिद्राविड जी (मीमांसकाचार्य, सं. महा. वि., चेन्नै)	आशीर्वचन प्रज्ञानं ब्रह्म (ऐ. ३/१/३) पञ्चाग्निविद्या (छा. ५/३-१०)
२०-०९-२०१०	१. श्रीमत्स्वामी पद्मनाभानन्द जी महाराज (शिवानन्द आश्रम, ऋषिकेश) २. आ. श्रीमत्स्वामी तत्त्वमयानन्द जी महाराज (बेलूर मठ, कोलकाता,प. बंगाल)	वैश्वानर विद्या (छा. ५/११-१४) तत्त्वमसिप्रकरणम् (छा. ६/८-१६)

२१-०९-२०१०	१. आ. श्रीमत्स्वामी प्रज्ञानानन्द तीर्थ जी महाराज (तीर्थपाद आश्रम, वाषूर, केरल) २. साध्वी माता पूर्णप्रज्ञा जी (अखण्ड बोध आश्रम, रायवाला, हरिद्वार)	भूमविद्या (छा. ७।२२-२६) दहरविद्या(छा. ८।१)
२२-०९-२०१०	१. आ. श्री दिव्य स्वरूप जी (जटा बाबा जी) (दत्तात्रेय मठ, वाराणसी) २. आ. श्रीमत्स्वामी शर्वानन्द जी महाराज (प्रणव धाम, उत्तरकाशी)	अहं ब्रह्मास्मि- वाक्यार्थ (बृ.१।४।१०) मधुविद्या (बृ.२।५।१)
२३-०९-२०१०	१. म. म. श्रीमत्स्वामी असङ्गानन्द जी महाराज (परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश) २. श्रीमत्स्वामी ब्रह्मभूतानन्द जी महाराज (वेदान्त विज्ञान ट्रस्ट, वोरिवली, मुम्बई)	अन्तर्यामिब्राह्मणम्(बृ.३।७।१) शारीरकब्राह्मणम् (बृ.४।४।१)
२४-०९-२०१०	१. आ. ब्र. दिव्य चैतन्य जी महाराज (राजराजेश्री मठ, वाराणसी) २. आ. म. म. श्रीमत्स्वामी दिव्यानन्द जी महाराज (कैलाश आश्रम, ऋषिकेश)	समन्वयाधिकरणम् (ब्र.सू.१।१।४) उत्क्रान्तिगत्यधिकरणम् (ब्र.सू.२।३।१९)
२५-०९-२०१०	१. परमादर्श आ. म. म. स्वा. विश्वात्मानन्द जी महाराज (साधना सदन, हरिद्वार) २. आ. स्वामी संविद् भास्कर गिरि जी महाराज (माउण्ट आबू, राजस्थान)	तदन्तरप्रतिपत्त्यधिकरणम्(ब्र.सू.३।१।१) आमत्वोपादानाधिकरणम्(ब्र.सू.४।१।१)
२६-०९-२०१०	१. परमादर्श आ. म. म. स्वा. प्रणवचैतन्यपुरि जी महाराज (परमार्थ साधक संघ, वाराणसी) २. आ. श्रीमत्स्वामी अद्वयनन्देन्द्र सरस्वती जी महाराज (अध्यात्म कार्यलय, होलेनरसीपुर, कर्नाटक)	अशोच्यानन्वशोचस्त्वम् (गी. २।११) यस्त्वात्मरतिरेव स्यात् (गी. ३।१७)
२७-०९-२०१०	१. श्रीमत्स्वामी ध्यानानन्द जी महाराज (तपोवन कुटीर, उत्तरकाशी) २. परमादर्श म. म. स्वा. विरागानन्द जी महाराज (कैथल, हरियाणा) ३. आ. म. म. श्रीमत्स्वामी पुण्यानन्द गिरि जी महाराज (निरञ्जनी अखाडा, हरिद्वार)	आशीर्वचन ब्रह्माग्नावपरे यज्ञम्(गी.४।२५) क्षेत्रज्ञं चापि मां विद्धि(गी.१३।२)